[श्री रामजी लाल सुमन]

मैं यहां गैर हाजिर रहा, मैं उसके लिए क्षमा-प्रार्थी हूं और मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि भविष्य में इस तरह की गलती की पुनरावृत्ति नहीं होगी ।

**उपसभापति :** बस, अब क्षमा हो गई मैंने भी एक्सप्ट कर लिया ।

**THE BOARD FOR WELFARE AND PROTECTION OF RIGHTS OF HAN DICAPPED BILL, 1991.**

**श्रम मंत्रालय में राज्यमंत्री और कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामजी लाल सुमन) :** उप सभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं कि असुविधाग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण और अधिकारों के संरक्षण के लिए एक बोर्ड का गठन करने और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए ।

*The question was put and the motion was adopted.*

**श्री रामजी लाल सुमन :** मैं इस विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं ।

**THE NATIONAL; TRUST FOR WELFARE OF PERSONS WITH MENTAL RETARDATION AND CE-REBRAL PALSY BILL, 1991.**

**श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री और कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामजी लाल सुमन) :** उपसभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मानसिक अवसद्धता और प्रमस्तिष्क अंगघात ग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण के लिए एक न्यास का गठन करने के लिए और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए ।

*The question was put and the* motion *was adopted.*

**श्री रामजी लाल सुमन :** मैं इस विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN; Now, I thinkwe had been discussing Assam and it was not completed yesterdaj. We also have special mentions. Could we continue discussion on Assam which is a very serious matter? After that we can take up special mentions.

SHRI M. M, JACOB; Discussion on price rise is being put down everyday. This is the third day that this discussion is becoming a casualty. It is a serious matter and we want to discuss price rise.

THE DEPUTY CHAIRMAN; To discuss all these important matters I think we should expedite our work in the House. I call upon Mr. Chat-uranan Mishra to continue.

**1. RESOLUTION APPROVING PRE SIDENTS PROCLAMATION UNDER ARTICLE 356 IN RELATION TO ASSAM**

**2. MOTION RECOMMENDING REV OCATION OF THE PROCLAMA-TION—Coritd.**

**श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) :** उपसभापति महोदया,

**उपसभापति :** जरा जल्दी-जल्दी बोल दीजिए जो भी बोलना है ।

**श्री चतुरानन मिश्र :** जो भी आप समय दीजिए ।

**श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी (महाराष्ट्र) :** जो भी बोलें रिलिवेंट ही बोलना चाहिए ।

**उपसभापति :** उनके लिहाज से तो रिलीवेंट हो होगा, आपके लिहाज से इरिलीवेंट हो सकता है . . . **(व्यवधान)** उनके लिहाज से सोचिए ।

**श्री चतुरानन मिश्र :** अगर चेयर समझे इर्रिलीवेंट हैं तो हम बैठ जायेंगे।

उपसभापति महोदया, यह अत्यन्त दुख की बात है कि कश्मीर और पंजाब में पहले से ही हम फंसे हुए थे और वहां सिक्योरिटी फोर्सेज और पैरा मिलट्री फोर्सेज के जरिए राज्य चला रहे थे, अब उसमें नयी सरकार ने असम को भी जोड़ दिया और उसको भी मिलट्री के अंदर यह सरकार ले आयी। अब मैं इस संबंध में यह कहना चाहूंगा कि ऐसा करके हम लोग सारे देश के अंदर मिलट्री का शासन बनाते चले जा रहे हैं और अगर यही स्थिति रही तो वह दिन दूर नहीं होगा जब मिलट्री आ करके राजनीतिक नेताओं से कहेगी कि आप किसी काम के लायक नहीं हैं, आपकी बात कोई नहीं सुनता है इसलिए आप गद्दी छोड़िए हमारे हाथ में राज्य दीजिए। इस दिशा में हम लोग तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकार की तरफ से जो जवाब दिया गया उसमें कहा गया कि असम के अंदर बहुत हिंसा हो रही थी और वहां की सरकार रोक नहीं रही थी और वह सरकार अच्छे ढंग से नहीं चल रही थी। मैं थोड़ी देर के लिए मान लेता हूं कि यह बात सही है। अगर यह बात सही है तो असम की जनता ही जज हो सकती है।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, tne Home Minister is not here.

THE DEPUTY CHAIRMAN; He will come. He must be in the Lok Sabha. Let us not go on such technicalities. Mr. Yashwant Sinha has also gone out, to discuss something But the Environment Minister is here and she will take notes. It is a collective responsibility.

**श्री चतुरानन मिश्र :** नहीं तो कांग्रेस पार्टी किसी को लेंड कर दे, उन लोगों के पास सफिशियेंट आदमी नहीं हैं।

THE DEPUTY CHAIRMAN; The lady is competent. She will take notes and pass it on to the Home Minister.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Thank you, Madam.

मैं आपसे कह रहा था कि उनका चार्ज यह है कि वहां पर बहुत हिंसा हो रही है। अगर हिंसा हो रही थी तो तब चुनाव का वक्त आ गया था, वहां की जनता को जज करने दीजिए। मैं भी मानता हूं कि जो सरकार चल रही थी वह कोई आदर्श सरकार नहीं थी, अच्छी सरकार नहीं थी, मैं सहमत हूं। लेकिन इसका फैसला वहां की जनता को करना चाहिए। ठीक चुनाव के वक्त में राष्ट्रपति शासन करना अत्यन्त ही खेदजनक और निंदनीय विषय है जबकि लोग चुनाव में जा रहे थे। अब अगर हम हिंसा की बात लें तो पंजाब में इससे कहीं ज्यादा हिंसा हो रही है। आसाम में एक साल के अन्दर 600-700 आदमी मारे गए हैं और पंजाब में साढ़े चार हजार आदमी मारे गए हैं जबकि पंजाब में राष्ट्रपति शासन है, तो हम किस को भंग करें? राष्ट्रपति को भंग करें या प्रधान मंत्री को भंग करें? यदि यही है तो आप हमको बता दीजिए कहां ले जा रहे हैं आप?

**उपसभापति :** राष्ट्रपति को नहीं राष्ट्रपति शासन को।

**श्री चतुरानन मिश्र :** राष्ट्रपति शासन को, वही तो हम कह रहे हैं।

**उपसभापति :** नहीं, आपने खाली राष्ट्रपति कहा था।

**श्री चतुरानन मिश्र :** अच्छा तो ठीक है आप इसको कर दीजिए ... **(व्यवधान)** ठीक है अगर इतना भर के लिए हम आपका अमेंडमेंट स्वीकार कर लेते है।

**उपसभापति :** स्वीकार कर लीजिए।

**श्री चतुरानन मिश्र :** अब हम लोग किस को भंग करे पंजाब में, इसको बताइये? प्रधान मंत्री इस्तीफा देंगे? और अगर

[श्री चतुरानन मिश्र]

प्रधान मंत्री इस्तीफा देने लगेंगे तो इस देश में कोई प्रधान मंत्री रहेगा ही नहीं, क्योंकि किसी न किसी दिन हर राज्य में ऐसा ही चलता रहेगा। इसलिए हिंसा की बात बिल्कुल गलत बात है। गलत इस अर्थ में नहीं कि हिंसा नहीं हो रही है, बहुत हो रही है। लेकिन हिंसा रोकने के लिए जो रास्ता निकालना चाहिए वह आप नहीं निकाल कर...

एक उदाहरण अभी आपके सामने देना चाहूंगा। असम में या नार्थ ईस्ट में जो हिंसा हो रही है वह कम्युनल फोर्सेज की नहीं है। वह दो बात में तो टरोरिस्ट के समान हैं। एक बात तो यह कि वह लोग हिंसा कर रहे हैं और दूसरी बात यह कि भारत से एक हिस्से को अलग करना चाहते हैं। दोनों निंदनीय हैं। लेकिन नोर्थ ईस्ट के लोग कम्यूनल नहीं हैं। वह लोग गरीबी के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, उसमें हिंसा का व्यवहार कर रहे हैं। अभी क्या हालात हैं हम आपको सुनाना चाहते हैं। अभी आपरेशन रिसर्च ग्रूप ... (व्यवधान)

**श्री एन० के० पी० साल्वे** : (महाराष्ट्र) यह जस्टिफाई है क्या, पंडित जी ?

**श्री चतुरानन मिश्र** : अगर बड़े लोग हिंसा करते हैं तो उसकी निंदा नहीं करेंगे, तो हम जस्टिफाई करते हैं, अब आप सुन लीजिए इस बात को। हम घबराते नहीं हैं उससे। अब आपको सुना रहे हैं क्या हालात है :

"The Operations Research Group has estimated, alter taking into con-Bideration the last Census figures, that nearly half the. households in the country continue to live below the.poverty line."

साल्वे साहब आप विद्वान आदमी हैं और इस मुल्क के जानकार भी हैं। आप लोगों ने कहा था कि घटकर 37 परसेंट पर, बिलो पोवर्टी लाइन, लोग चले आए थे और अगर 3 साल के अंदर पूरे देश में 50 परसेंट लोग बिलो पोवर्टी लाइन पर चले जाएं तो ? इसी आंकड़े के मुताबिक-

According to the study, 61 per cent of the households in rural India live below the poverty line against national average of little over 50 per cent.

जब गरीबों का यह हाल हो रहा है तो फिर आप क्या उम्मीद करते हैं कि सब लोग चुप रह जायेंगे। पार्लियामेंट के मैम्बर लोगों को या दूसरे लोगों को तो एलाउंस मिलता है, सैलरी मिलती है वे तो शांति पर भी भाषण दे सकते हैं, दर्शन पर भी भाषण दे सकते हैं लेकिन जो मर रहे हैं उनके लिए अगर आप कोई व्यवस्था नहीं करते हैं तो फिर हम उसको जस्टिफाई समझेंगे। हम उनके लिए कुछ कदम नहीं उठा रहे हैं, इसलिए वे गलत कदम उठाने पर मजबूर हैं और आप इसको रोक नहीं सकेंगे।

इसलिए अगर इस स्थिति को सुधारना है तो आपको एक सही रास्ता अख्तियार करना चाहिए जिससे हम गरीब की समस्याओं का समाधान कर सकें। आज के इंडियन एक्सप्रेस से उद्धृत करके मैं एक बात और कहना चाहूंगा। मैं समझता हूं कि आर्मी इस देश के अंदर एक ऐसी शक्ति है जो देश को यूनीफाई रख रही है। नेता लोग जो हैं उनका कोई रोल नहीं है। इस देश में कोई ऐसा नेता नहीं है जो नवाखाली जाए। मैं आपको पढ़कर सुनाता हूं कि आपने वहां क्या किया है-

Mrs. Parama Tayeng of Dibrugarh district was a pregnant woman.

प्रेगनेंट वूमैन की हत्या मिलिट्री ने की है, यह आज के अखबारों में छपा है मैडम, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि फौज एक ही क्वालिटी थी कि बैरकों में बंद रखते थे। अगर आप देश के लोगों को सताने के लिए आर्मी का इस्तेमाल करते हैं तो देश सिविल वार की ओर जाएगा और मैं समझता हूं कि अगर हमारी सरकार नए ढ़ग से इस बारे में नहीं सोचती है तो देश को यह सिविल वार की ओर ले जा रही है। इसलिए आप गंभीरता से इस पर विचार करिए। इसमें यह भी कहा गया है कि ज्यादातर लोग वहां पर अब विश्वास करने लगे हैं

क आमों आम लोगों को सताने के लिए लगाई गई है --

Thousands of people testify to the fact that there have been midnight knocks on their doors and when they open the doors, they encounter hostile army men.

यह मैं आपके सामने रखना चाहता हूं । अब उपसभापति महोदया, देश की हालत . . . (**व्यवधान**)

**उपसभापति** : मैंने आपसे अर्ज किया था कि आज और कल, इस सैशन के ये दो दिन ही हमारे पास हैं । हमारे आगे बहुत बिजनैस हैं और अगर सब लोग थोड़ा-थोड़ा बोलेंगे तो सबको मौका मिल सकेगा ।

**श्री चतुरानन मिश्र** : सबसे बड़ा बिजनैस है हल्ला-गुल्ला करना, हमने उसमें हिस्सा नहीं लिया था ।

**उपसभापति** : आप वैलकम हैं उसमें हिस्सा लेने को, अगर आप ले सकते हों तो ।

**श्री चतुरानन मिश्र** : महोदया, मैं आपसे सिर्फ तीन-चार मिनट चाहता हूं । यह कहना चाहता था कि देश की हालत बदल गई है । अब दफा 144 नहीं लगती है, वह शायद रिपील हो गई है । अब दफा 144 के बदले कर्फ्यू लगता है । अब पुलिस कोई काम नहीं करती है, या तो बी० एस० एफ० करती है या सी० आर० पी० करती है या फिर आर्मी करती है । इसलिए आपको नये ढंग से सारी बातों पर विचार करना चाहिए और मेरा ख्याल है कि कुछ कामों को नए ढंग से करने के लिए मैं कुछ सुझाव देता हूं, अगर आप इस तरह से चलेंगे तो देश चल सकेगा । सबसे पहले एक राष्ट्रीय प्रोग्राम होना जिसमें जनता को कान्फिडेंस हो, विश्वास हो कि हम देश को एक नई दिशा की ओर ले जाना चाहते हैं । इसके लिए हम आप से सजेस्ट करेंगे कि जितनी जल्दी हो सके सेंटर-स्टेट रिलेशंस को रिस्ट्रक्चर करने के लिए एक योजना बननी चाहिए जिससे इस समस्या का समाधान हो सके । जो एथेनिक क्वश्चिन है, जो नेशनेलिटी का क्वश्चिन है, उसके समाधान के लिए रास्ता जल्दी से जल्दी निकालना चाहिए और तेजी से सत्ता का विकेंद्रीकरण करना चाहिए । अगर सत्ता को केंद्रित करेंगे तो बार-बार आपको आर्मी नहीं लगानी पड़ेगी । इसके अलावा कोई चारा नहीं है । अब ए० जी० पी० के लोग अच्छे थे या बुरे थे, यह वहां की जनता तय करेगी लेकिन अभी आपने क्या कर दिया है कि सबको उठाकर उल्फा के साथ कर दिया है ।

आपने जो अच्छे लोग थे उनको भी उल्फा के साथ मिला दिया । हो सकता है कुछ लोग हों जो उल्फा के साथ हों, लेकिन अब अच्छे लोग भी उल्फा की तरफ चले जायेंगे और सभी कंबाइन करके हमारे खिलाफ लड़ेंगे, फिर तीन वर्ष बाद असम में आप सिमरजीत जी मान को खोजने लगेंगे, यह गलत तरीका है । पुराना तरीका काम नहीं कर रहा है तो हमें बदलना चाहिए । अगर हम लोगों में समाज पर असर डालने वाला नेता नहीं बच गया है तो हम लोगों को कोई रास्ता निकालना चाहिए और पुराने तरीके से काम नहीं चलाया जा सकता है तो उसे बदलना चाहिए । आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में परिवर्तन आ या है । कुछ माननीय सदस्यों ने कहा कि असम में बेरोजगारी की समस्या है । मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ऐथनिक समस्या, धर्म की समस्या जब उठ जाती है तो बेरोजगारी की चर्चा नहीं रहती है । मंदिर मस्जिद का सावल उठ गया है तो महंगाई की बात पीछे पड़ गयी । सोवियत संघ के अंदर बेरोजगारी की समस्य समस्या नहीं थी लेकिन वहां भी यह विस्फोट हुआ है । इसलिए मैं आप लोगों से अनुरोध करूंगा कि आपने यह गलती की है और इस गलती का निराकरण यही है कि जल्दी से जल्दी आप वहां चुनाव करवा दें ताकि वे लोग अपना शासन करें । वह अच्छा शासन हो, बुरा हो । शासन जैसी जनता है वैसा ही शासन भी होगा । हम लोग

[श्री चतुरानन मिश्र]

संसद में इतना शोर कर रहे हैं एक घंटा हम लोग चिल्लाए हैं तो दूसरों का क्या हाल होगा। जो यहां चेयर पर बैठता है उसका गला पता नहीं कब खराब हो जाए . . .

**उपसभापति** : आपने अच्छा किया कि चेयर के गले के साथ हमदर्दी का इजहार किया . . . **(व्यवधान)**

**श्री चतुरानन मिश्र** : हम लोग तो बराबर चेयर का साथ देते हैं । लेकिन कुछ लोगों का नाम रख लीजिए, रेकार्ड में रखते हो तो उनको सुना दीजिए कि वह कैसा बोलते हैं हाउस में। सबसे ज्यादा गला साफ करने में तो हमारे पांडे जी और अहलुवालिया जी हैं । उसकी एक कमेटी बनाइए और पांडे जी को उसका अध्यक्ष बना दीजिए . . . **(व्यवधान)**

**एक माननीय सदस्य** : आप आरोप लगा रहे हैं . . . **(व्यवधान)**

**श्री चतुरानन मिश्र** : मैं अध्यक्षता के लिए कह रहा हूं, आरोप नहीं लगा रहा हूं हमने कहा कि पांडे जी आप उस कमेटी की अध्यक्षता करें, इधर से हम भी मैम्बर दगे, यह मत समझिए कि नारायण-स्वामी को छोड़ देंगे —उधर भी स्वामी हैं, इधर भी हैं । हमारे डी० एम० के० के सदस्य भी उसके मैम्बर होने के लिए तैयार होंगे । पहले आप लोग कमेटी तो बनाइए . . . (व्यवधान)

**डा० रत्नाकर पाण्डेय** (उत्तर प्रदेश) : आपका गला साफ करने के लिए चिरायता का काढ़ा पिलाया जाए क्या ?

**उपसभापति** : अब इस पर ही डिस्कशन न हो जाए, इसलिए कृपया अपना स्थान ग्रहण करें ।

**श्री चतुरानन मिश्र** : यह रिकमडेशन होगी तो हम शुरु कर देंगे, इसीलिए आपको अध्यक्ष बना रहे हैं . . . **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN; Just a minute. Order, please.

## REG. PROBE INTO REFUND OF EXCISE DUTIES

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRJ YASHWANT SINHA); Madan, Deputy Chairman, as the House i3 aware, at the suggestion of the Prime Minister, yesterday it was agreed that the leaders of the various political parties in Parliament shall meet under your Chairmanship in your chamber and take a view in the matter regarding the refund of excise duties. We met in the morning in your chamlber and it has been unanimously decided that there is a need for a probe into that matter. What was not unanimously decided wss the nature of the probe, but it was felt that the Government should take a view in the matter and inform the House by tomorrow about its decision in the matter.

I wanted to take the House into confidence. Thank you

SHRI N. K. P. SALVE (Maha-rashtra); Very good, well done.

SHRI CHIMANBHAI MEHTA (Gujarat); Madam--------- . .

**डा० रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश)** : महोदया, . . .

**उपसभापति** : आप उस चर्चा में भाग नहीं ले रहे थे । इसलिए किसी को इस पर कहने की इजाजत नहीं दूंगी क्योंकि यह मामला बंद हो गया है। कल जो निर्णय होगा वह बाद में देखा जाएगा ।